सांध्य दैनिक 4PM

यदि आप दूसरों की मदद कर सकते हैं, तो अवश्य करें, यदि नहीं कर सकते हैं तो कम से कम उन्हें नुकसान नही पहुचाइए।

-दलाई लामा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 8 • अंक: 231 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, शुक्रवार, 30 सितम्बर, 2022

विधानसभा लॉबी में विधायकों के सोने... 2 | 24 की लड़ाई बीजेपी के लिए... 3 | बिना गिरवी ऋण के उद्यमियों को... 7

कांग्रेस अध्यक्ष पद की रेस में मल्लिकार्जुन खड़गे सबसे आगे!

रेस से दिग्विजय सिंह बाहर, शशि थरूर और केएन त्रिपाठी ने भी कराया नामांकन

» **कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए पार्टी नेताओं की पहली पसंद मल्लिकार्जुन खड़गे**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के अध्यक्ष पद को लेकर चल रही राजनीति के बीच आज मल्लिकार्जुन खड़गे भी रेस में कूद पड़े हैं। चुनाव के लिए नॉमिनेशन आज से शुरू हो गया। इसी कड़ी में शशि थरूर और केएन त्रिपाठी ने पार्टी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल कर दिया। वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे नामांकन के लिए पहुंच चुके हैं। नॉमिनेशन के बाद शशि थरूर ने कहा कि पार्टी नेताओं के फैसले का सम्मान किया जाएगा। ऐसे में अब तीन बड़े उम्मीदवारों के सामने आने से कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव दिलचस्प हो चुका है।

अध्यक्ष पद के लिए सबसे मजबूत उम्मीदवार माने जा रहे राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पहले ही चुनाव लड़ने से इनकार कर चुके हैं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मैंने खड़गे से मुलाकात की और कहा कि अगर आप फॉर्म भर रहे हैं तो मैं आपके साथ हूं। मैंने साफ कहा कि आपके खिलाफ लड़ने की मैं सोच भी नहीं सकता हूं। इसलिए मैंने अब तय किया है कि उनका प्रस्तावक बनूंगा। वहीं पार्टी के असंतुष्ट गुट के नेता शशि थरूर ने भी अपना नॉमिनेशन फाइल किया है। वहीं कांग्रेस सांसद दीपेंद्र एस हुड्डा मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रस्तावक के रूप में हस्ताक्षर किए हैं।

गहलोत, एंटोनी, अंबिका सोनी भी खड़गे के समर्थन में

कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में आए मल्लिकार्जुन खड़गे को सीनियर नेताओं का लगातार समर्थन मिल रहा है। उनके सपोर्ट में दिग्विजय सिंह के नामांकन न दाखिल करने के बाद अब अशोक गहलोत, एके एंटोनी, अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, अभिषेक सिंघवी, अजय माकन, भूपेंद्र एस हुड्डा, दिग्विजय सिंह व तारिक अनवर भी साथ आ गए हैं। उन्होंने खड़गे से आज मुलाकात की और उसके बाद कहा कि उनका चुनाव में उतरना सही फैसला है। अशोक गहलोत ने इस दौरान खुद के अध्यक्ष की रेस से बाहर होने और सीएम को लेकर संशय पर कहा कि मेरा बस चले तो मैं कोई पद न लूं। कभी राहुल गांधी यात्रा में जाऊं और कभी सड़कों पर उतरूं।

उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए खड़गे के नामांकन का स्वागत करता हूं। मुझे विश्वास है कि वह निर्वाचित होंगे। इतने सालों में उन्होंने संसद में लोगों की आवाज बुलंद की है। झारखंड कांग्रेस नेता केएन त्रिपाठी ने नॉमिनेशन के बाद कहा कि पार्टी नेताओं के फैसले का सम्मान मेरे लिए पहले सर्वोपरि है।

चुनाव आम सहमति से होना चाहिए : मनीष तिवारी

मनीष तिवारी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि कुछ पदों के लिए चुनाव नहीं होना चाहिए, उन पर आम सहमति से फैसला किया जाना चाहिए और कांग्रेस का अध्यक्ष पद भी उन्हीं में से एक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता करने के लिए किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति को आमंत्रित करना और उस व्यक्ति के अगले वार्षिक सत्र तक पद पर बने रहने की पुरानी प्रथा वास्तव में उल्लेखनीय थी। मैंने हमेशा कोशिश की कि कांग्रेस अध्यक्ष के पद के लिए किसी का भी चयन सर्वसम्मति से हो।

विकसित भारत के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण को और देंगे गति : मोदी

» **प्रधानमंत्री ने गुजरात में अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का किया उद्घाटन**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं। पीएम मोदी ने आज अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया है। साथ ही पीएम मोदी ने गांधीनगर से वंदे भारत एक्सप्रेस के नए और अपग्रेड वर्जन को भी हरी झंडी दिखाई है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आज 21वीं सदी के भारत के लिए अर्बन कनेक्टिविटी के लिए और आत्मनिर्भर होते भारत के लिए एक बहुत बड़ा दिन है।

मोदी ने कहा कि आजादी के

अमृतकाल में विकसित भारत के निर्माण के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण को हमें और गति देनी होगी। गुजरात में डबल इंजन की सरकार इसके लिए गंभीरता से प्रयास भी कर रही है। नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन गांधीनगर से मुंबई सेंट्रल के बीच चलाई गई है। इस दौरान पीएम मोदी ने ट्रेन में सवार होकर यात्रा भी की है। उन्होंने ट्रेन में सवार लोगों से बातचीत भी की है। कहा कि नई वंदे भारत एक्सप्रेस से आरामदायक और बेहतरीन रेल यात्रा अनुभव के एक नए युग की शुरुआत हुई है। नई वंदे भारत एक्सप्रेस सबसे बहुप्रतीक्षित नव निर्मित सेमी-हाई स्पीड ट्रेन है। अब यह व्यावसायिक रूप से चलाई जा रही है। यह ट्रेन गुजरात और महाराष्ट्र राज्यों की राजधानियों को जोड़ते हुए गांधीनगर और मुंबई के बीच चल रही है। नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन गांधीनगर और मुंबई के बीच चलेगी। यह गुजरात और महाराष्ट्र की राज्यों की राजधानियों को जोड़ेगी। रविवार को छोड़कर यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी।

संसद भवन के शेर नहीं दिखते क्रूर : सुप्रीमकोर्ट

व्यक्ति के दिमाग पर निर्भर करता है कि क्या वो सोचे

» **कानून का उल्लंघन नहीं करती शेर की मूर्ति, याचिका खारिज**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के नए संसद भवन पर लगाई गई शेर की मूर्ति कानून का उल्लंघन नहीं करती है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से आज यह टिप्पणी की गई है। साथ ही कोर्ट ने आक्रामक मूर्ति के दावे पर भी सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने याचिका को खारिज किया और कहा कि यह व्यक्ति के दिमाग पर निर्भर करता है कि क्या वो सोचे।

दरअसल, सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के हिस्से के तहत संसद भवन पर शेर की मूर्ति स्थापित की गई थी।

क्या थी याचिका

याचिका के अनुसार प्रतीक में शामिल शेर क्रूर और आक्रामक हैं, जिनका मुंह खुला हुआ है और दांत दिख रहे हैं। जबकि सारनाथ में मूर्ति के शेर शांत नजर आ रहे हैं। आगे कहा गया है कि चारों शेर बुद्ध के विचार दिखाते हैं। याचिका के अनुसार यह महज एक डिजाइन नहीं है, इसका अपना सांस्कृतिक महत्व है।

राजनीतिक दलों की तरफ से भी इसपर सवाल उठाए गए थे। मामले में दो वकील अलदनीश रेन और रमेश कुमार की तरफ से याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि नई मूर्ति स्टेट एंबलम ऑफ इंडिया (प्रोहिबिशन ऑफ इम्प्रॉपर यूज) एक्ट, 2005 में मंजूरी प्राप्त राष्ट्रीय प्रतीक की डिजाइन के विपरीत है।

बड़े परिवर्तन के लिए काम करें राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार : सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार अपने मंत्रालय में बड़े परिवर्तन के लक्ष्य को लेकर काम करें। आगामी समय में मंत्रालय से जुड़े क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव दिखना चाहिए। योगी ने अपने आवास पर राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार की बैठक में प्रत्येक मंत्री से उनके विभाग की बीते छह महीने के कामकाज की रिपोर्ट ली। वहीं आगामी कार्ययोजना पर बात की। मुख्यमंत्री ने राज्यमंत्रियों को कार्य संस्कृति में सुधार करने और सतर्क रहते हुए जिम्मेदारी से काम करने की सीख भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ऐसे प्रोजेक्ट तैयार करें, जिससे जनता को ज्यादा से ज्यादा लाभ हो।

सप्ताह में कम से कम दो से तीन जिलों का दौरा करें। जिलों में जाकर विभागीय समीक्षा बैठक के साथ अन्य विभागों के कामकाज को भी देखें। जहां कहीं कमी है उसे दूर करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित क रें। सूत्रों के मुताबिक बैठक में मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा विभाग में अधिकारियों पर नियंत्रण रखने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि बीएसए और डीआईओएस के खिलाफ शिकायत मिलती है तो उनके खिलाफ कार्रवाई करें। परिषदीय स्कूलों में शिक्षक पर्याप्त संख्या में हैं अब शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार दिखना चाहिए। प्रदेश की जेलों में बड़ी संख्या में बुजुर्ग और बीमार सजायाफ्ता बंदी हैं उन्हें जेल से मुक्त करने का विधिक रास्ता निकालें। मुख्यमंत्री ने डग्गामार बसों को व्यवस्थित करने के लिए उन्हें रूट आवंटित करने और परमिट देने के निर्देश दिए।

जो अफसर हैं उन्हीं से काम लें

मुख्यमंत्री ने इस बात पर खुशी जताई कि किसी भी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ने अपने विभाग में अधिकारी बदलने की सिफारिश नहीं की है। उन्होंने कहा कि विभाग में जो अधिकारी तैनात हैं, उनसे ही काम लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार सरकार के राज्य मंत्रियों के भी सम्मान का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि मंत्री आपसी समन्वय से काम करें, कामकाज में सरकार और विभाग की छवि का भी ध्यान रखें। उन्होंने मंत्रियों को टीम भावना से काम करने के निर्देश दिए।

पुलिस की लापरवाही पर नहीं छोड़ सकते नागरिकों की स्वतंत्रता : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि नागरिकों की स्वतंत्रता को पुलिस की शिथिलता पर नहीं छोड़ा जा सकता। मांगी जानकारी न देने से सुनवाई स्थगित करनी पड़ती है। जो कि न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप है। इसके लिए माफ नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने प्रदेश के डीजीपी को मामले में स्वयं उचित आदेश देने का निर्देश दिया है। याचिका की सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। कोर्ट ने पेश हुए देश दीपक सिंह क्षेत्राधिकारी हाईवे, मुरादाबाद व दरोगा भोजपुर बिपिन कुमार को अगली तिथि पर हाजिर न होने की छूट दी है। कोर्ट ने आदेश की प्रति महानिबंधक के जरिये डीजीपी भेजने का निर्देश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने विनीत कुमार की अपील की सुनवाई करते हुए दिया है। अपीलार्थी का कहना है कि पीड़िता अस्पताल में भर्ती हुई किंतु कुछ घंटे में ही मौत हो गई। उससे पहले उसने बयान भी दिया, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी हुई है, जो केस डायरी का हिस्सा है। कोर्ट ने अपर शासकीय अधिवक्ता से जानकारी मांगी। किन्तु सूचना के बावजूद कोई जानकारी नहीं दी तो कोर्ट ने सीओ व विवेचक को तलब किया और पूछा कि सूचना के बावजूद जानकारी क्यों नहीं दी। दोनों अधिकारियों ने हाजिर होकर हलफनामा दिया लेकिन इसका कोई जिक्र नहीं किया कि सूचना के बावजूद जानकारी क्यों नहीं दी। जिसके कारण सुनवाई स्थगित करनी पड़ी।

विधानसभा लॉबी में विधायकों के सोने की व्यवस्था समाप्त की : महाना

» यूपी विधानसभा अध्यक्ष का दावा, इस बार एक बार भी स्थगित नहीं हुई कार्यवाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अपने छह महीने के कार्यकाल की उपलब्धियां बताई। उन्होंने कहा कि इन छह महीनों में विधानसभा को लेकर परसेप्शन बदला है। इस बार एक भी बार विधानसभा की कार्यवाही स्थगित नहीं की गई है। प्रश्नकाल में 20-20 प्रश्न लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही ठीक तरह से चलाने में नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव से भी सहयोग मिला। सभी विधायकों का भी सदन संचालन में सहयोग मिला।

इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे काम करने के टिप्स दिए थे। उसके अनुसार काम कर नई परम्परा शुरू की।

गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र ने भी हमारा अनुसरण किया है। आगे विधानसभा संचालन नियमावली का सरलीकरण किया जाएगा। महिला सदस्यों के सत्र की बुकलेट प्रकाशित कराई जाएगी। उसे सभी विधानसभा और लोकसभा में भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉक्टर, महिला, पहली बार निर्वाचित सदस्य, प्रोफेशनल और वरिष्ठ विधायकों का ग्रुप बनाकर उनसे बात की। जो कि नई परंपरा थी। 170 सदस्यों से बात कर चुका हूं। वकील, शिक्षक व विधायकों का ग्रुप भी बनाएंगे। उन्होंने बताया कि हमने विधानसभा लॉबी में विधायकों के सोने की व्यवस्था समाप्त की है। लॉबी में कॉफी मशीन लगाई गई हैं।

जनता को जागरुक करने के लिए प्रदेशभर में निकाल रहे सावधान यात्रा : राजभर

» बोले- हर दस साल में होनी चाहिए जनगणना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी से गठबंधन टूटने के बाद 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी सुहेलदेव समाज पार्टी इन दिनों प्रदेश भर में सावधान यात्रा निकाल रही है। इसी कड़ी में ओम प्रकाश राजभर की सावधान यात्रा गोंडा की गौरा विधानसभा पहुंची, जहां उन्होंने कहा कि वो लोगों को उनके हक के लिए जागरुक करने के लिए सावधान यात्रा निकाल रहे हैं। इस सावधान यात्रा का समापन पटना के गांधी नगर मैदान में होगा। इस दौरान राजभर ने कहा कि हर दस साल में देश में जातिवार जनगणना होनी चाहिए और जो पीछे हैं उनको लाभ देना चाहिए।

ये देश और प्रदेश के राजनेता केवल गरीब जनता को 16 दुनी 8 का पाठ पढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल में बाबा साहेब डॉक्टर अंबेडकर जी ने

संविधान लिखा और ये व्यवस्था दी कि हर 10 साल बाद एक जातिगत जनगणना हो, कौन सी जाति को कितना हिस्सा मिला अगर नहीं मिला तो उसकी व्यवस्था हर 10 साल में मिले लेकिन यह अब तक नहीं कराई गई। 1931 में जातिवार जनगणना हुई है। जातिवार जनगणना करवाना, एक समान अनिवार्य शिक्षा, रोजगार परक शिक्षा मिलनी चाहिए। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि हम तो जनता को जागरूक कर रहे हैं, सावधान यात्रा के तहत अपने हक के लिए लड़ो, शिक्षा के लिए लड़ो, स्वास्थ्य के लिए लड़ो, रोजगार के लिए लड़ो, नौकरी के लिए लड़ो, तभी तो काम बनेगा। ये नेता लोग देश के गरीबों को 16 दुनी 8 का पाठ पढ़ाते हैं। वहीं पीएफआई को प्रतिबंधित किए जाने पर ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सरकार ने पहले इसकी जांच करवाई होगी। उसमें कुछ गलत मिला होगा तो उसे प्रतिबंधित कर दिया गया होगा।

अब हम समाजवादी के साथ नहीं

ओमप्रकाश राजभर ने कहा किअब हम समाजवादी पार्टी के साथ नहीं हैं। कांग्रेस तो हाशिए पर चली गई हैं। वहीं बसपा भी 2017 में 1 सीट पर ही सिमट कर रह गई। उन्होंने कहा कि हम बात सबसे करते हैं लेकिन काम जनता की ही करते हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है कि जातिवार जनगणना कराई जाए शोषित वंचित और गरीबों को जोड़ने के लिए सावधान रथ यात्रा पूरे प्रदेश का भ्रमण करेगी। इसके बाद हमारा सावधान यात्रा बिहार में भी जाएगा। राजभर ने कहा कि जब तक गरीबों को हक मिल नहीं जाता संघर्ष जारी रहेगा।

गाय के गोबर से बने एक लाख दीप जलाए जाएंगे : धर्मपाल

» मदरसों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए करा रहे हैं सर्वे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पशुधन एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि अयोध्या में इस बार गाय के गोबर से बने हुए एक लाख दीपक जलाए जाएंगे। दिवाली पर कार्यक्रम का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने-अपने घरों में गाय के गोबर से बने हुए नौ दीप अवश्य जलाएं।

वह लोकभवन में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गायों में इस समय लंपी रोग लग रहा है लेकिन पूरे देश में सबसे कम केस उत्तर प्रदेश में हैं और इसको यहां बहुत बेहतर ढंग से नियंत्रित किया गया है। प्रतिदिन तीन लाख पशुओं में टीकाकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 30 जनपदों में अब तक कुल 42810 गोवंश स्किन रोग से प्रभावित मिले, जिनमें से 26300 रोग मुक्त हो चुके हैं। इस मौके पर उन्होंने को आश्रय स्थलों की जानकारी के लिए पोर्टल और मोबाइल एप भी लॉन्च किया। पशुधन एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने कहा कि मदरसों के छात्रों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मदरसों का सर्वे कराया जा रहा है, जिससे वहां पढ़ने वाले बच्चे भी तरक्की कर सकें।

अधिवेशन के जरिए अखिलेश ने दिखाई ताकत

24 की लड़ाई बीजेपी के लिए आसान नहीं

- सपा मुखिया ने राजधानी लखनऊ में भरी हुंकार- बीजेपी को हराने की ताकत सिर्फ सपा के पास
- पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर लिया संकल्प- 24 में पिछली बार से तीन गुना लाएंगे सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 24 के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। राजधानी लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान में अखिलेश ने बीजेपी को अपनी ताकत का अहसास करा दिया कि 24 की लड़ाई भाजपा के लिए आसान नहीं। वहीं सम्मेलन में लाखों की भीड़ देखकर यूपी भाजपा ने अंदरखाने मंथन करना शुरू कर दिया है कि लोकसभा चुनाव से पहले ही सपा के तिलिस्म को तोड़ना पड़ेगा, नहीं तो शीर्ष नेतृत्व को जवाब देते नहीं बनेगा।

बता दें कि समाजवादी पार्टी के नौंवे राज्य सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 2019 में समाजवादियों ने बाबा साहब के सिद्धांतों के साथ बीजेपी को लोकसभा में सीटें हराई थी। हम सरकार बनाने में कामयाब नहीं हुए लेकिन हमारी सीटें जरूर बढ़ीं. हमने 2022 का चुनाव लड़ा इसमें सपा की सीटें दो गुना हो गई। यह सब समाजवादियों के कारण हुआ। इसमें हमने समान विचारधारा वालों के साथ मिलकर गठबंधन तैयार किया और इसका नतीजा भी अच्छा रहा। अखिलेश यादव ने कहा कि गंगा सफाई के नाम पर बीजेपी सरकार में लूट हो रही है। सपा सरकार में किसानों ने जमीन अधिग्रहण का कभी विरोध नहीं किया। किसानों को 3 गुना तक मुआवजा दिया। देश का सबसे बढ़िया आगरा एक्सप्रेस-वे सपा सरकार ने बनाकर दिया। वहीं बीजेपी सरकार ने इसी एक्सप्रेस-वे पर सुखोई उतारे थे। मेट्रो सबसे पहले यूपी में हमने चलाई। इन लोगों ने सिर्फ सत्ता का दुरुपयोग किया। राज्य सम्मेलन में सपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने अपने मुखिया के साथ संकल्प लिया कि लोकसभा चुनाव में हम लोग पिछली बार से तीन गुना ज्यादा सीटे लाएंगे। इसके लिए हम गांव-गांव सपा का प्रचार करेंगे। भाजपा की जनविरोधी नीतियों से जनता को अवगत कराएंगे। गौरतलब है कि सपा का यह 9वां राज्य सम्मेलन है। सपा ने इस सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने। साथ ही 2024 के लिए रणनीति भी तैयार की। राज्य सम्मेलन के मंच पर अखिलेश यादव के अलावा रामगोपाल यादव किरनमय नंदा, स्वामी प्रसाद मौर्य, राम गोविंद चौधरी, रामजी लाल सुमन सहित कई दिग्गजों ने मंच साझा किया। मुलायम और आजम स्वास्थ्य कारणों से नहीं शामिल हुए।

2022 में दोगनी हुई सीट, 24 में भी बीजेपी को देंगे पटखनी

अखिलेश ने कहा कि मुझे खुशी है कि अभी तक का सबसे ज्यादा वोट इस चुनाव में हमें मिला था। सपा की सीट भी दोगुनी हो गई थी। जीते भले ही नहीं, लेकिन कह सकता हूं कि 2019 और 2022 के प्रयोग से हम समाजवादी जान गए कि बीजेपी को कोई हरा सकता है तो वो सिर्फ समाजवादी पार्टी ही है। अखिलेश ने कहा कि हम देश की राजनीति को बदल देंगे। बीजेपी ने झूठ बोलकर सरकार बनाई है। आगे अखिलेश यादव ने कहा कि समाज को बांटने वाली ताकतों को सत्ता से दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने जो काम किया था बीजेपी उससे आगे कुछ भी नहीं कर पाई है। उन्होंने अपने भाषण में मेट्रो निर्माण और नदियों की सफाई आदि का मुद्दा उठाया।

बसपा संग गठबंधन से मिली थी निराशा

बता दें कि 2019 के आम चुनाव में सपा और बसपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था। तब गठबंधन को 15 सीटें मिली थीं, लेकिन बीएसपी के खाते में 10 गईं और सपा को 5 पर ही जीत हासिल हुई थी। यहीं से दोनों दलों के बीच कड़वाहट पैदा हो गई थी और अंत में दोनों का गठबंधन टूट गया था। इसके बाद सपा ने 2022 में रालोद, सुभासपा, महान दल जैसी कई छोटी पार्टियों से गठबंधन किया था। इसके बाद भी भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने में सफल रही।

बदले की भावना से काम कर रही बीजेपी

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए बोले कि सरकारी नौकरियों में बहुजन मिले आरक्षण से सरकार छेड़छाड़ कर रही है। ताकि सरकारी संस्थाएं ध्वस्त हो जाए और निजीकरण हो जाए। बीजेपी सबसे बड़ी धोखेबाज, झूठी और षडयंत्रकारी पार्टी है। हर चुनाव में जनता को धोखा देने के लिए नए-नए झूठ गढ़ती है। हर बार नई जाति और वर्ग उसके निशाने पर होती है। बीजेपी नफरत और बदले की भावना से काम करती है। बीजेपी ने संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया है। बीजेपी संविधान का पालन क्यों नहीं करती हैं? बीजेपी ने अपने चुनाव संकल्प पत्र में जो वादे किए थे उन्हें पूरा नहीं किया है। आम जनता को धोखा दिया जा रहा है। जनता अब जागरूक हो रही है ओर उसे यह भरोसा हो चला है कि समाजवादी पार्टी की सरकार में ही उसके हित सुरक्षित रह सकते हैं।

समाजवादी पार्टी में अब वापसी संभव नहीं : शिवपाल

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि 2024 की सरकार में उनकी पार्टी शामिल रहेगी। शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के 6 महीने पहले तय होगा कि वह किसके साथ गठबंधन करेंगे। लेकिन यह तो तय है कि उनकी पार्टी सत्ता में रहेगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में महंगाई और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। सरकार इस पर अंकुश लगाने में नाकाम है। शिवपाल सिंह यादव ने यह भी कहा कि उनकी समाजवादी पार्टी में अब वापसी संभव नहीं है। अब वह कभी भी समाजवादी पार्टी में शामिल नहीं होंगे। शिवपाल और अखिलेश की राहें अलग हो चुकी हैं।

हालांकि चाचा और भतीजे के बीच वार-पलटवार चलता रहता है। इसी कड़ी में शिवपाल ने सपा के साथ फिर से गठबंधन के सवाल पर जवाब दिया है। शिवपाल से पूछा गया कि क्या अखिलेश पैर छू लेंगे तो वह मान जाएंगे, शिवपाल ने कहा, 'देखिए मुझे अब समाजवादी पार्टी में जाना ही नहीं है। अब कोई समझौता नहीं, कोई गठबंधन नहीं होगा। यह बात स्पष्ट है। हमें पहले कई बार धोखा मिल चुका है।' यूपी चुनाव में हमने देखा कि 75 जिलों में अखिलेश का संगठन ही नहीं है। टिकट ही सही से नहीं बांटा गया। शिवपाल 2012 से लेकर 2017 तक अखिलेश यादव की अगुवाई वाली सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे। लेकिन 2017 के चुनाव से पहले दोनों के रिश्ते में खटास आ गई। उस समय प्रदेश अध्यक्ष रहे शिवपाल ने अखिलेश को बाहर का रास्ता दिखा दिया। हालांकि फिर बदले हालात में शिवपाल ही किनारे लग गए। सपा की कमान अखिलेश के हाथों में आई, जबकि शिवपाल ने प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) नाम से अलग दल बना लिया। 2022 चुनाव के पहले दोनों फिर से एक साथ आए। बाद में अलग भी हो गए।

कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना चुनौती

सम्मेलन में आने वाले कई पदाधिकारी बताते हैं कि अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के लिये एक और बड़ी चुनौती अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना होगा। लागातार सत्ता से दूर रहने के कारण कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा हुआ है। संगठन भी आधा-अधूरा है। सपा का सदस्यता अभियान जारी है लेकिन इसमें वह तेजी नहीं दिखी जो आमतौर पर होनी चाहिए। आजम खान से लेकर कई पूर्व विधायक, मंत्री स्वयं को सत्ता के कोप से बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। ऐसे में कार्यकर्ताओं का जोड़े रखना आसान नहीं होगा।

लगातार तीन बड़े चुनाव हारी है समाजवादी पार्टी

अखिलेश यादव के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए 2017, 2022 का विधानसभा चुनाव और 2019 का लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी हारी है। 2017 विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस से गठबंधन किया था। इसमें दो लड़कों की जोड़ी बहुत फेमस हुई थी। परिणाम उतने अच्छे नहीं रहे थे। 2019 लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंध हुआ और सपा पांच सीट पर सिमट गयी। 2022 विधानसभा चुनाव में कई छोटी पार्टियों से गठबंधन के बाद सपा को 111 सीटें मिली हैं। सपा का वोट प्रतिशत भी बढ़ा है। अब 2024 चुनाव उनके सामने होगा।

यूपी के अलावा एमपी और बिहार में भी हुआ है सपा अधिवेशन

समाजवादी पार्टी का गठन अक्टूबर 1992 में हुआ था। तब उसका पहला अधिवेशन चार नवंबर 1992 को लखनऊ स्थित बेगम हजरत महल पार्क में हुआ था। इसके दो साल बाद 11-12 अक्टूबर 1994 को लखनऊ के ही लॉ मार्टीनियर कॉलेज ग्राउंड में दूसरा अधिवेशन हुआ था। जबकि तीसरा अधिवेशन में भी लखनऊ के बेगम हजरत महल पार्क में 27-28 जुलाई 1996 को हुआ। इसके बाद पहली बार 29 से 31 जनवरी 1999 को सपा का अधिवेशन यूपी के बाहर मध्य प्रदेश में हुआ है। 2005 में एक बार फिर सपा का अधिवेशन यूपी के बाहर हुआ। 2014 में एक बाद फिर सपा का अधिवेशन यूपी की राजधानी लखनऊ स्थित जनेश्वर मिश्रा पार्क में हुआ। ये आठ से दस अक्टूबर तक हुआ था। इसके बाद आगरा में फिर एक अधिवेशन हुआ था. पांच अक्टूबर 2017 को ये अधिवेशन आगरा स्थित तार घर का मैदान में हुआ था। इसके बाद लखनऊ में अब अगला अधिवेशन 28 सितंबर 2022 रमाबाई अंबेडकर पार्क में हो रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जन संवाद के बिना जन-भागीदारी अधूरी

साल 2016 में प्रधानमंत्री द्वारा फसल बीमा के लिए दो प्रमुख योजनाओं के संयोजन और सतत एवं टिकाऊ कृषि सुनिश्चित करने के बाद इसे साल 2019-2020 में फिर से लॉन्च किया गया था। संशोधित योजना विभिन्न ऑफलाइन और ऑनलाइन तरीकों के माध्यम से किसानों के लिए समर्पित योजना है, जो उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि जन संवाद की सतत प्रक्रिया के बिना जन-भागीदारी अधूरी है। वास्तविक सहभागी शासन, जमीनी हकीकत को समझने के लिए जनता के साथ नियमित संवाद करने की प्रक्रिया पर आधारित है, जिसके बाद मुद्दों के विश्लेषण के आधार पर पॉलिसी पेपर्स तैयार किए जाते हैं और फिर ज्वलंत मुद्दों से निपटने के लिए सही सुझाव दिए जाते हैं। आदर्श रूप से नीतियों के कार्यान्वयन और लाभार्थियों से मिले फीडबैक के आधार पर नीतियों को लागू किया जाता है। विभिन्न माध्यमों से इस सरकार ने लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए जनता और सरकार के बीच इस संवाद को निरंतर बनाए रखने का व्यापक ध्यान रखा है। साल 2016 में प्रधानमंत्री द्वारा फसल बीमा के लिए दो प्रमुख योजनाओं के संयोजन और सतत एवं टिकाऊ कृषि सुनिश्चित करने के बाद इसे साल 2019-2020 में फिर से लॉन्च किया गया था। संशोधित योजना विभिन्न ऑफलाइन और ऑनलाइन तरीकों के माध्यम से किसानों के लिए समर्पित योजना है, जो उनकी विभिन्न समस्याओं का समाधान करती है। यह कृषि क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए संवाद और सहभागिता की शक्ति का एक सटीक उदाहरण है। जनता को अपने लक्ष्य तक ले जाने के प्रयास में पीएम मोदी निर्विवाद रूप से सफल रहे हैं। लोक-कल्याणकारी विजन पर आधारित उनके प्रत्येक आह्वान को देश ने हाथों-हाथ लिया है। आम लोगों के जीवन को सहज व सरल बनाने के उनके चिंतन में संपूर्ण देश स्वत: स्फूर्त रूप से जुड़ जाता है। उनका हर संबोधन सदैव आमजन के समग्र विकास के परिप्रेक्ष्य में होता है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान राष्ट्रीय अभियान, सकल्प व लक्ष्य तक जाता है। 'वोकल फॉर लोकल टॉयज' अर्थात स्थानीय खिलौने को प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री मोदी की पहल खिलौनों के निर्माण में आत्मनिर्भर भारत अभियान का ही एक अंग है, जिसके सकारात्मक परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं। देश में कई खिलौना उत्पादक समूह स्थापित हुए हैं। भारतीय संस्कृति और लोकाचार पर आधारित खिलौनों को विकसित करने के लिए नवीन विचारों को 'क्राउडसोर्स' करने के लिए 'टॉयकैथॉन' जैसे आयोजनों ने गति पकड़ी है। खिलौनों को बीआईएस (भारतीय प्रमाणन ब्यूरो) मानक के अनुसार प्रमाणित किया जाना सभी निर्माताओं के लिए अनिवार्य हो गया है, जिससे कई चीनी प्रतिस्पर्धी समाप्त हो गए हैं। वित्त वर्ष 2019-22 में खिलौनों के आयात में 70 प्रतिशत की कमी और निर्यात में 61 प्रतिशत की वृद्धि हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि लोकतंत्र केवल एक सरकार को पांच साल के लिए अनुबंध नहीं देता, बल्कि वास्तव में यह जन-भागीदारी है। उन्होंने देश के नागरिकों में जो अटूट विश्वास दिखाया है, उसका अकल्पनीय सकारात्मक परिणाम सामने आया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सियासी संकट : गांधी परिवार की प्रतिष्ठा दांव पर

विनोद पाठक

मुख्यमंत्री की कुर्सी से चिपके रहने का मोह अशोक गहलोत छोड़ नहीं पा रहे हैं। कुर्सी का मोह छूटे भी तो उस पर घोर प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट ना बैठें, इसके लिए 45 वर्षों की वफादारी को भुलाकर वो खुलकर सामने आ गए हैं। कुल मिलाकर अब तक गांधी परिवार का सच्चा सिपहसालार कहे जाने वाले गहलोत का जो चेहरा सामने आया है, उसने सभी को आश्चर्य में डाल दिया है, क्योंकि कुछ महीने पहले जब पंजाब में ऐसी ही स्थिति उत्पन्न हुई थी, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोलने वालों में अशोक गहलोत सबसे आगे थे। उस समय गांधी परिवार के प्रतिनिष्ठा की बात थी।

पिछले रविवार जो प्रकरण हुआ, उसने गांधी परिवार के आलाकमान की छवि को भी धूमिल कर दिया है, यानी अब साफ है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी पर परिवार की वह पकड़ नहीं रह गई, जो पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी या राजीव गांधी के समय में हुआ करती थी। अब तो अशोक गहलोत के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन की बात भी खटाई में पड़ गई है। संशय है कि अब संभवत: वह राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन भी ना करें। तर्क वही, बहुमत में विधायक नहीं चाहते कि अशोक गहलोत मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ें और यदि छोड़ें तो राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद छोड़ें। मानेसर प्रकरण के समय सरकार बचाने वाले 102 विधायकों में से किसी को मुख्यमंत्री बनाया जाए। अशोक गहलोत के लिए अब जब बात राष्ट्रीय अध्यक्ष का नामांकन ना भरने पर आ गई है तो फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर तो बने ही रहेंगे। इधर-उधर के जो नाम चल रहे थे, वह अब करीब-करीब शांत होते दिख रहे हैं। अब तो यही है कि पहले कैसे राजस्थान को संभाला जाए? इस पूरे घटनाक्रम ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की हवा निकाल दी है। अब भारत जोड़ने से ज्यादा कांग्रेस जोड़ने पर फोकस हो गया है। गहलोत और पायलट के बीच आपसी विग्रह नई नहीं है। वर्ष 2018 की सर्दियों में जब कांग्रेस पार्टी साधारण बहुमत से राजस्थान की सत्ता में लौटी थी, तब पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की बात थी, क्योंकि उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया था। उस समय अशोक गहलोत ने सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी को अपने पक्ष में कर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कब्जा कर लिया था, जबकि राहुल गांधी को सचिन पायलट के पक्ष में बताया जा रहा था।तब भी एक प्रकरण ऐसा हुआ था, जिसने गहलोत और पायलट के बीच दूरियों को बढ़ाया था। उस समय दिल्ली से जयपुर लौट रहे अशोक गहलोत को

एयरपोर्ट से वापस पार्टी नेतृत्व के पास लौटना पड़ गया था।

मानेसर प्रकरण के समय तो अशोक गहलोत की कुर्सी जाते-जाते बची थी। उस दौरान उन्होंने सचिन पायलट को नाकारा-निकम्मा तक कह डाला था। पायलट को प्रदेश अध्यक्ष और उप मुख्यमंत्री पद से निष्कासित कर अपने विश्वसनीय नेताओं को बैठा दिया था। एक सवाल जो राजनीतिक हलकों में पिछले चार-पांच दिनों से घूम रहा है, वह यह है कि क्या कारण है, जो गहलोत कैंप इतना आक्रामक हो गया? दरअसल, जिस दिन अशोक गहलोत को सोनिया गांधी ने दिल्ली बुलाया था और राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के लिए कहा था, उसी के आसपास सचिन पायलट ने भी दिल्ली में आलाकमान से मुलाकात की थी। यदि उसी दिन अशोक गहलोत से इस्तीफा ले लिया जाता और सचिन पायलट के नाम का ऐलान कर दिया जाता तो यह किस्सा वहीं खत्म हो जाता। सचिन पायलट ने भी ऐसा व्यवहार किया, जिससे साफ झलक रहा था कि उन्हें आलाकमान ने हरी झंडी दे दी है और अब वही अगले मुख्यमंत्री होंगे। साथ ही, एकाएक जयपुर में विधायक दल की बैठक बुला ली गई। राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे को पर्यवेक्षक बनाकर भेज दिया गया। सारा खेल यहीं से शुरू हुआ। गहलोत गुट के शांति धारीवाल, प्रताप सिंह खाचरियावास, संयम लोढ़ा, सुभाष गर्ग समेत कई नेता मुखर हो गए। राजनीति के जादूगर अशोक गहलोत ने अपनी चाल चल दी। रविवार शाम को नाटक से पर्दा उठा और इस्तीफों की झड़ी के बीच न केवल कांग्रेस आलाकमान की जगहंसाई हुई, बल्कि अति आत्मविश्वास में डूबे पायलट के फिलहाल मुख्यमंत्री बनने पर पूर्णविराम लग गया। गांधी परिवार के लिए अब राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना प्राथमिकता नहीं रह गया है। पहले बिखरती कांग्रेस को राजस्थान में संभालने की चुनौती सामने खड़ी है। वर्ष 2020 में जब सचिन पायलट ने बगावत करके 19 विधायकों को अपने साथ कर लिया था, तब भाजपा पर सरकार गिराने या अस्थिर करने के आरोप लगे थे। हालांकि, इस घटनाक्रम के बीच पार्टी को फायदा होता दिख रहा है। वर्ष 2024 के आम चुनावों में अभी वक्त है, लेकिन बिखरा हुआ विपक्ष ही एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देगा, यह करीब-करीब साफ दिखने लगा है।

कनाडा में सिर उठाता कट्टरपंथ भारत से संबंधों पर असर

रविंद्र दुबे

भारत और कनाडा के संबंध खटाई में पड़ते नजर आ रहे हैं। दोनों देशों के बीच कड़वाहट बढ़ने की पूरी आशंका दिखाई दे रही है, क्योंकि भारत को लग रहा है कि कनाडा अपने देश में चल रही खालिस्तानी गतिविधियों पर नरम रुख अख्तियार कर रहा है। वैसे इस तरह की घटनाएं तो अनेक हुई हैं, लेकिन इनमें सबसे महत्वपूर्ण है 19 सितंबर को ब्रैंपटन, ओन्टारियो में संपन्न हुआ खालिस्तान जनमत संग्रह, जिसमें एक लाख से अधिक कनाडाई सिखों ने हिस्सा लिया। इसका आयोजन खालिस्तान समर्थक समूह सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने किया था, जिसमें बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं वोट देने के लिए कतारों में खड़े थे और सोशल मीडिया ऐसी तस्वीरों से भरा पड़ा था। यह जनमत संग्रह 2020 में ही प्रस्तावित था, पर कोविड-19 के चलते इसे मुल्तवी करना पड़ा था। एसएफजे को भारत में 2019 में प्रतिबंधित कर दिया गया था। कनाडा में दस लाख से अधिक भारतीय रहते हैं। पंजाब के बाद यदि सबसे ज्यादा सिख कहीं बसते हैं, तो वह है कनाडा, जहां की 15 फीसदी आबादी सिख है। भारत सरकार ने कनाडा को वहां बढ़ रही भारत-विरोधी ताकतों के खिलाफ चेतावनी दी थी। लेकिन कनाडा सरकार ने खालिस्तान जनमत संग्रह को अपने देश के कानूनी मानकों के भीतर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक बताकर रोकने से इनकार कर दिया। चिंता की बात यह है कि अकेले कनाडा में ही नहीं, बल्कि कट्टरपंथी खालिस्तानी तत्व पूरे उत्तरी अमेरिका और यूरोप में भी अपनी विचारधारा के लिए राजनीतिक समर्थन पाने की कोशिश कर रहे हैं। विश्व सिख संगठन और सिख्स फॉर जस्टिस जैसे खालिस्तान समर्थक संगठनों की गतिविधियों के विश्लेषण से खालिस्तान मकसद के पुनरुद्धार के लिए धन संग्रह और सोशल मीडिया प्रचार जैसे प्रयासों का खुलासा हुआ है।

एक सहानुभूतिपूर्ण राजनीतिक दृष्टिकोण ने सिख कट्टरपंथियों को 1984 के दंगों को 'नरसंहार' के रूप में घोषित करने, सिख समुदाय के आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए जनमत संग्रह करने और यहां तक कि खुले तौर पर भारत की आलोचना करने के लिए प्रोत्साहित किया है। कुछ भारतीय मूल के सांसदों ने खालिस्तान से जुड़े मुद्दों को उठाने से इनकार कर दिया है। इससे पहले अगस्त में सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास की दीवारों पर खालिस्तान के नारे लिखे पाए गए थे, यह घटना तब हुई, जब भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के मद्देनजर प्रतिबंधित खालिस्तानी समूह ने एक भड़काऊ बयान जारी किया। भारत में स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले, खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू ने हाल ही में प्रमुख स्थानों पर खालिस्तानी झंडा फहराने के लिए नकद इनाम की घोषणा की। विदेशों में गुरुद्वारों से आने वाले धन ने पंजाब में अलगाववादी प्रयासों को आवश्यक ईंधन प्रदान किया है।

यूरोप और उत्तरी अमेरिका में बैसाखी और सिखों के अन्य महत्वपूर्ण त्योहारों पर प्रवासी सिखों द्वारा गुरुद्वारों में किए गए असंख्य दान को सामाजिक कल्याण गतिविधियों की आड़ में पंजाब के खालिस्तान समर्थक संगठनों की ओर मोड़ दिया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने ऐसे ही एक मामले में बब्बर खालसा अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूह से जुड़े सिख ऑर्गेनाइजेशन फॉर प्रिजनर वेलफेयर का पर्दाफाश किया है। इन संगठनों ने धन के प्रवाह को बनाए रखने के लिए नए तरीके ईजाद कर लिए हैं, जिनमें हवाला और कूरियर नेटवर्क का उपयोग शामिल है। खालिस्तान समर्थक गतिविधि ने फिर से 2014 में तब गति पकड़ी, जब दमदमी टकसाल ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान मारे गए जरनैल सिंह भिंडरावाले और अन्य आतंकवादियों के लिए स्वर्ण मंदिर परिसर में एक स्मारक बनाया। राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के मुखर विरोध के बावजूद वे इस स्मारक के मुद्दे पर अड़े रहे। समय के साथ ये आपत्तियां समाप्त हो गईं। आज स्थिति यह है कि अकाल तख्त (जो सिख धर्म का सर्वोच्च स्थान है) के बगल में स्थित इस स्मारक पर रुके बिना स्वर्ण मंदिर की यात्रा अधूरी मानी जाती है। खालिस्तान की मांग दोहराने के पीछे की वजह 1984 में भारत के कुछ शहरों, खासकर दिल्ली में हुए नरसंहार को बताया जा रहा है। वह दंगा 31 अक्तूबर, 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा की गई हत्या के विरोध में हुआ था।

उस नरसंहार के जिम्मेदार चंद कांग्रेसी नेताओं पर तत्काल कोई कानूनी कारवाई नहीं हुई थी। 1984 के आरोपियों पर अगर कोई कार्रवाई हुई, तो मौजूदा सरकार के शासनकाल में। इतने वर्षों में उस कांड के कई गवाह मर चुके हैं और इस वजह से अब कोई कानूनी कारवाई हो पाना बहुत मुश्किल है। फिर भी निहित स्वार्थी तत्व इसे बेवजह हवा देकर माहौल खराब करने में लगे हुए हैं। पंजाब के भीतर खालिस्तानी भावना के इस पुनर्जागरण में 1980 और 1990 के दशक के दोहराव की आशंका नहीं है, क्योंकि वहां के आम लोगों का अब कट्टरपंथियों को समर्थन नहीं मिल रहा है। फिर भी यह हिंसा की छिटपुट घटनाओं को जन्म देता है, जैसे कि पिछले दो वर्षों में हिंदू और अन्य सामाजिक-धार्मिक समूहों को लक्षित कर हमलों की एक श्रृंखला चलाई गई, जिसमें छह लोग मारे गए। ये कट्टरपंथी तत्व कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा कर सकते हैं। पंजाब पहले से ही कृषि संकट, बेरोजगारी और नशे की लत से जूझ रहा है। पाकिस्तान से समर्थन पाने वाले इन कट्टरपंथी तत्वों के भारत विरोधी प्रचार और उनके राजनीतिक दबदबे को कम करना एक बड़ी चुनौती होगा।

अमरूद के पत्ते

जो सेहत के साथ सौंदर्य का भी रखते हैं ख्याल

अमरूद एक ऐसा फल है, जो हर किसी को काफी पसंद आता है। इसे खाने से आपको स्वाद के साथ सेहत भी मिलती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अमरूद ही नहीं, उसकी पत्तियां भी सेहत के लिए उतनी ही लाभकारी हैं। अमरूद की पत्तियों में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल गुण और एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण पाए जाते हैं, जिसके कारण यह कई तरह की बीमारियों में लाभदायक है। आपको शायद जानकर हैरानी हो लेकिन अमरूद के पत्ते जुकाम जैसी सामान्य समस्या से लेकर जानलेवा डेंगू तक को ठीक कर सकता है। तो चलिए आज हम आपको अमरूद के पत्तों से होने वाले कुछ जरबदस्त फायदों के बारे में बता रहे हैं...

पिंपल्स को करे दूर

अमरूद के पत्ते आपकी सेहत के साथ-साथ सौंदर्य का भी उतना ही ख्याल रखते हैं। मसलन, अगर आपको पिंपल्स हैं और आप महंगी क्रीम का इस्तेमाल कर रही हैं तो उसकी जगह आप अमरूद के पत्तों को पीसकर पेस्ट बनाएं और उसे प्रभावित जगह पर लगाएं। रातभर इस पेस्ट को ऐसे ही रहने दें। कुछ दिन लगातार यह उपाय करने से आपके पिंपल्स जल्द ही खत्म हो जाएंगे। ठीक इसी तरह, अगर आप ब्लैकहेड्स को दूर करना चाहती हैं तो अमरूद की पत्तियों से स्किन को स्क्रब करें।

घटाए वजन

अगर आप अपने अतिरिक्त वजन से परेशान हैं और उसे कम करना चाहते हैं तो अमरूद के पत्तों के रस का सेवन किया जा सकता है। यह रस आपके वजन कम करने के साथ-साथ आपके दिल का भी ख्याल रखता है।

डायरिया में आराम

डायरिया एक ऐसी समस्या है, जो देखने में भले ही आम लगे, लेकिन इसके कारण व्यक्ति काफी कमजोर हो जाता है। इसके लिए आपको अमरूद के पत्तों का काढ़ा बनाना होगा। काढ़ा बनाने के लिए आप अमरूद के पत्तों को पानी में डालें। साथ ही इसमें चावल का आटा मिलाकर उबालें। अब आप इस पानी को छानक इसका सेवन करें।

दूर करे मसूड़ों का दर्द

अमरूद के पत्ते ओरल हेल्थ के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं। अगर आपको मसूड़ों में किसी तरह की परेशानी या दर्द है तो आप अमरूद की पत्तियों को पीसकर इसमें लौंग व सेंधा नमक मिलाएं। अब इसमें थोड़ा पानी मिक्स करके उबालें। अब आप इस पानी को हल्का सा ठंडा करें और फिर इससे गरारे करें। इससे न सिर्फ मसूड़ों की समस्या दूर होती है, बल्कि मुंह से आने वाली दुर्गंध से भी छुटकारा मिलता है।

अमरूद के पत्तों को पीसकर पेस्ट बनाएं और उसे प्रभावित जगह पर लगाएं। रातभर पेस्ट को ऐसे ही रहने दें। कुछ दिन लगातार यह उपाय करने से आपके पिंपल्स जल्द ही खत्म हो जाएंगे।

हंसना मना है

गोलू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो, आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

एक बूढ़ी अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला। भिखारी: भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी,चार दिन से कुछ नहीं खाया। बूढ़ी अम्मा 500 का नोट निकालते हुए बोलीं: 400 खुले हैं? भिखारी: हां हैं मां जी बुढ़िया: तो उससे कुछ लेकर खा लेना।

एक लड़की बस स्टैंड पर खड़ी थी। एक नौजवान बोला- चांद तो रात में निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बोली: अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है।

दो दोस्त आपस में बाते कर रहे थे पिंटू: इंसान का दिमाग 24 घंटे काम करता है, लेकिन 2 जगह बंद होता है। टिंटू: कब-कब? पिंटू: पहला एग्जाम के समय और दूसरा बीवी पसंद करते समय। पति: शादी के समय सात फेरे लेते वक्त तुमने वचन दिया था और स्वीकार किया था कि मेरी इज्जत करोगी, मेरी सब बात

कहानी — जादुई पेंसिल

एक दिन की बात है रवि के घर के पास से के महात्मा गुजरे जिनके आँखों में तेज था उनको बहुत तेज प्यास लगी थी और फिर रवि के घर के पास आकर रवि आकर मागते है जिसके बाद रवि आदत के अनुसार वह घर में से तुंरत पानी लेकर आया और महात्मा जी को पानी पिने के लिए दे दिया, इस प्रकार महात्मा जी प्यास बुझ चुकी थी वह रवि के स्वाभाव से बहुत ही खुश हुए और फिर उन्होंने अपने पोटली में एक पेन्सिल निकालकर रवि को दिए और बोले की रवि यह आम और साधारण पेन्सिल नही है इस पेन्सिल से जो भी कुछ बनाओगे वह असली बन जायेगा। इस प्रकार रवि वह पेन्सिल पाकर बहुत ही खुश हुआ और अब वह इस पेंसिल की सहायता से अपनी गरीबी दूर कर सकता था, इसके बाद उसे बहुत तेज भूख लगी थी तो उसने तुरंत उस पेन्सिल से भोजन का चित्र बनाता था, जिसके बाद वह चित्र सच में भोजन बन गया था, अब रवि को महात्मा जी बातो पर पूरा यकीन हो गया था, धीरे धीरे इस तरह रवि अपने जरूरत की चीजो को बनाता रहा और फिर फिर ह गरीब से अमीर बन गया और फिर उस पेन्सिल से लोगो की जरूरत की चीजे बनाकर मदद भी करने लगा था, जिसके बाद यह बात पूरे गांव में फैल जाती है और इस तरह बात वहा के राजा को पता चल जाती है जिसकी वजह से रवि को राजा के दरबार में बुलाया जाता है और कहा जाता है कि आपको राजा के लिए वहां पर हीरे और मोती बनाने हैं, रवि जैसे ही राजा के दरबार में जाता है राजा रवि से ढेरों सारे हीरे और मोती बनाने के लिए कहता है पर रवि मोती और हीरे बनाने से मना कर देता है और कहता है इस जादुई पेंसिल का इस्तेमाल मैं सिर्फ गरीब लोगों कि मदद करने के लिए करता हूं और मैं आपके लिए हीरे और मोती नहीं बनाऊंगा यह सुनते ही राजा को क्रोध आ जाता है और वह सूरज को काल कोठरी में डलवा देता है जहां पर बहुत ज्यादा अँधेरा होता है पर रवि बिल्कुल भी नहीं डरता क्योंकि उसके पास जादुई पेंसिल उसके साथ में थी और वह वहां पर सबसे पहले रोशनी का इंतजाम करता है उसके बाद वह काल कोठरी में रास्ता बना कर भाग निकलता है। इस तरह से रवि कालकोठरी से निकलने के बाद बहुत से गरीब लोगों की मदद करता है और उनके लिए जरूरत का सामान बनाकर उन्हें हमेशा देता रहता है। इस तरह से सभी गरीब लोग अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं और अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर देते हैं जिससे अब उन्हें कभी भी किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ती। और इस तरह रवि धीरे धीरे उस राजा से भी अमीर बन गया और लोगो की मदद करने के कारण लोगो ने उसे अपना राजा बना लिया और एकदिन रवि उस राज्य का राजा बन जाता है और इस तरह रवि के नेकी के चलते वह अब गरीब से बहुत अमीर राजा बन गया था,

कहानी से शिक्षा: इस कहानी से हमे यही शिक्षा मिलती है की अगर लोगो की बिना परवाह किये बिना मदद करते थे और एकदिन हमारे साथ भी जरुर अच्छा होता है इसलिए हमे हमेसा नेकी और मदद की राह पर चलना चाहिए।

10 अंतर खोजें

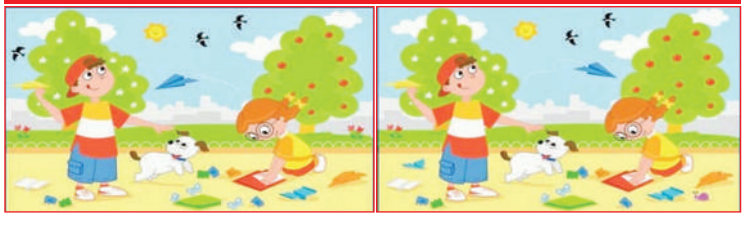

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आपको अपने प्रतिस्पर्धियों के साथ वाद-विवाद न करने की सलाह हैं। धन-संपत्ति के मामलों में फैसले लेते समय ध्यान रखने की जरूरत है। मार्केटिंग के जातक अपने टारगेट को पूरा करेंगे।

वृषभ इस राशि के इंजीनीयर्स आज अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करें तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी। आज तरक्की के कुछ ऐसे मामले सामने आएंगे जिसमें जीवनसाथी की सलाह आपके लिये फायदेमंद रहेगी।

मिथुन आज आप आपके लिए दिन अनुकूल है। हालांकि, कुछ बातों को लेकर आप संशय में रहेंगे। आज आपको शारीरिक रूप से अस्वस्थता हो सकती है लेकिन फिर भी मानसिक रूप से प्रसन्नता बनी रहेगी।

कर्क आज व्यापार में धन निवेश करें तो उन्हें लाभ प्राप्त होगा। जिससे आर्थिक पक्ष पहले से काफी अच्छा रहेगा। परिवार में आज किसी सदस्य से विवाद हो सकता है। बेहतर होगा आज बेवजह किसी बातों में दखल न दें।

सिंह आज का ज्यादातर समय दोस्तों के साथ बीतेगा। आज आप अपने रोजमर्रा के रूटिन से अलग कार्यों में व्यस्त होंगे। दोस्तों और परिवारजनों के साथ कहीं घूमने का कार्यक्रम बना सकते हैं।

कन्या आज आपका दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया करेंगे। सफलता जरूर हासिल होगी। आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

तुला आज सफलता आपके कदम चूमेगी। लव लाइफ में समय की कमी आज आपको परेशान कर सकती है। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली रहेगी। अगर आप अपनी जुबान पर काबू नहीं रखेंगे तो आप आसानी से अपनी प्रतिष्ठा धूमिल कर सकते हैं।

वृश्चिक आज का दिन धन की वर्षा करने वाला है। साथ ही नया वाहन लेने की स्थिति बन रही है। मित्रों के सहयोग से रूके हुए कार्य पूरे हो जायेंगे। आज आपके घर कोई दूर का रिश्तेदार आ सकता हैं, जिससे खर्च में वृद्धि होने की संभावना बन रही है।

धनु धार्मिक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी।पत्रकारिता और फिल्म से सम्बद्ध जातकों के लिए आज का दिन भाग्यवृद्धि कारक है। स्थानान्तरण के भी योग दिखाई दे रहे हैं परन्तु परेशान न हों यह आपके लिए अच्छे परिणाम लायेगा।

मकर छात्रों को थोड़ी अधिक मेहनत करनी होगी। खुद को शांत रखने की कोशिश करेंगे तो सफल हो जाएंगे। इस राशि के जो लोग मीडिया से जुड़े हुए हैं आज उन्हें काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती हैं।

कुम्भ परिश्रम से कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। व्यवसाय में लाभ से मन हर्षित रहेगा। आज धन का व्यय हो सकता है। लव लाइफ में तनाव हो सकता है। सामाजिक मेलजोल से ज्यादा सेहत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

मीन आज आपका मन धार्मिक कार्यों में लगेगा। इस राशि के जो लोग लोहे का कारोबार कर रहे हैं उन्हें उम्मीद से कम लाभ होगा। जो छात्र फाइन आर्ट्स से जुड़ें , उन्हें आज वाहवाही मिलेगी।

सोनाक्षी ने कॉमेडियन को जड़ा थप्पड़!

बॉलीवुड | मसाला

सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही अपनी नई बॉलीवुड फिल्म डबल एक्सएल में नजर आएंगी। सोनाक्षी सिन्हा का एक वीडियो वायरल हो रहा है इस वीडियो में सोनाक्षी एक जाने माने कॉमेडियन को तमाचा जड़ती नजर आ रही हैं। आप सोच रहे होंगे ऐसा क्या हुआ जो सोनाक्षी ने ऑन गोइंग शो में कॉमेडियन थप्पड़ रसीद कर दिया। दरअसल, ये वीडियो क्लिप Amazon के मिनी टीवी शो 'केस तो बनता' का है। इस शो में सोनाक्षी कॉमेडी कोर्टरूम ड्रामा का हिस्सा बनीं। जानें आगे फिर क्या हुआ...

दबंग के डायलॉग 'थप्पड़ से डर नहीं लगता...' पर सोनाक्षी का रिएक्शन वेब शो 'केस तो बनता है' का नया टीजर जारी हुआ है। इस टीजर में सोनाक्षी सिन्हा, एक्टर रितेश देशमुख और वरुण शर्मा इस कोर्टरूम ड्रामा शो में नजर आ रहे हैं। टीजर में सोनाक्षी पर कॉमेडियन कई जुमले कसते नजर आ रहे हैं। टीजर में जैसे ही कॉमेडियन पारीतोश त्रिपाठी उनकी डेब्यू फिल्म दबंग का डायलॉग बोलते हैं एक्ट्रेस इसके जवाब में कहती हैं, नहीं लगता डर...तो लो फिर ये कहकर जोरदार तमाचा कॉमेडियन के मुंह पर जड़ देती हैं। घबराइए नहीं, ऐसा सोनाक्षी नाराजगी में नहीं बल्कि शो के माहौल को और खुशनुमा बनाने के लिए करती हैं। केस तो बनता के अपकमिंग एपिसोड में सोनाक्षी सिन्हा का ग्लैम लुक देखने को मिलेगा। इस शो में सोनाक्षी पर्पल पैंट सूट ड्रेस में ग्लैमरस नजर आईं। बता दें ये शो Amazon Mini Tv पर 30 सितंबर, 2022 को स्ट्रीम होगा। इस वेब शो में कोर्टरूम में जमकर कॉमेडी देखने को मिलेगी। सोनाक्षी ने इस शो के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे इस शो का हिस्सा बनने को लेकर बेहद खुशी है।

सोशल मीडिया पर उर्फी की बढ़ती जा रही डिमांड

बॉलीवुड | गपशप

उर्फी जावेद सोशल मीडिया स्टार हैं। वह अपने कपड़ों को लेकर छाई रहती हैं। अब तक उर्फी ने रेजर, सेफ्टी पिन, सिम, फोटोज, कैंडी और बिजली की तारों से कपड़े बनाए हैं। लेकिन अब इस बार उर्फी ने ऐसा वीडियो शेयर किया है जिसे देखकर सब हैरान रह गए हैं क्योंकि इस बार उर्फी ने ऊपर कोई टॉप ही नहीं पहना है। बस आगे से ग्लिटर पेंट किया है। वहीं नीचे उन्होंने रेड कलर के कपड़े को स्कर्ट बनाकर पहना है। वीडियो शेयर कर उर्फी ने लिखा, तेजी नजर का कुसूर है। वीडियो पर फैंस उर्फी के इस अंदाजा की तारीफ कर रहे हैं। वे कमेंट कर रहे हैं कि आपने तो आग ही लगा दी है। वैसे बता दें कि उर्फी को कई बार अपने इस अंदाज के लिए ट्रोल होना पड़ता है। लेकिन उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वह ना किसी की सुनती हैं और ना किसी से डरती हैं। उन्हें जो पहनना होता है, जो एक्सपैरिमेंट करना होता है वह करती हैं। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग बढ़ती जा रही है।

इंस्टाग्राम पर अब उर्फी के 3.6 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। कई सेलेब्स भी उर्फी के फैशन की तारीफ कर चुके हैं जिसमे रणवीर सिंह भी शामिल हैं। रणवीर ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण में उर्फी को फैशन आइकन कहा था। इसके बाद उर्फी ने सोशल मीडिया के जरिए रणवीर को थैंक्यू भी कहा था। वहीं सोशल मीडिया पर भी कई सेलेब्स उनके आउटफिट की तारीफ करते हैं। हाल ही में एक यूजर ने उर्फी को कमेंट किया जिसमे लिखा था कि आपको कपड़ों की जरूरत है क्या? हम आपको कपड़े देंगे। हम उन लोगों की मदद करते हैं जो खुद के लिए कपड़े नहीं खरीद सकते। उर्फी ने यूजर का कमेंट पढ़ते ही उसे तुरंत जवाब दिया, हां बिल्कुल मुझे पसंद आएगा। तो अब क्योंकि हम एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं तो चलिए मैं आपको आपकी नाक वापस देती हूं जो मुझे मेरे बिजनेस में मिली।

बॉलीवुड | मन की बात

सलमान खान को ओटीटी पर नहीं देखना चाहते वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म भेड़िया को लेकर चर्चा में हैं। बता दें कि जल्द ही वरुण धवन को फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक पूरा होने वाला है। इन दस वर्षों में वरुण धवन ने कई शानदार फिल्मों में काम किया है। आखिरी बार वह जुग-जुग जियो में नजर आए। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। हाल ही में वरुण धवन ने एक बातचीत के दौरान फिल्मों के हिट-फ्लॉप होने और उन्हें ओटीटी पर दिखाए जाने को लेकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने और भी कई दिलचस्प बातें साझा कीं। बातचीत के दौरान वरुण धवन ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर फिल्मों की हिट और फ्लॉप को अलग तरीके से मापा जाता है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर कोई डायरेक्ट नंबर नहीं हैं, जिसके आधार पर दर्शकों की प्रतिक्रिया का अनुमान लगाया जा सकता है। इस दौरान वरुण धवन ने यह भी कहा कि आर्ट सब्जेक्टिव होती है। फिल्मों का मुनाफा-नुकसान किसी और को नहीं, निवेशकों को प्रभावित करता है। वरुण धवन ने कहा, दर्शक फिल्म की यात्रा से भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं। लेकिन, फायदा या नुकसान सिर्फ स्टूडियो या निर्माता या उस कंपनी होता है, जो इसमें निवेश कर रही है। लेकिन, हां दर्शक इस यात्रा से भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं, इसलिए वह इस मुनाफा और हानि के बारे में जानना चाहते हैं। बातचीत के दौरान जब वरुण धवन से पूछा गया कि एक ऐसे एक्टर के बारे में बताएं जिन्हें ओटीटी पर नहीं आना चाहिए। इस पर वरुण धवन ने सलमान खान का नाम लिया। उन्होंने कहा कि सलमान खान को ओटीटी प्रोजेक्ट्स नहीं करने चाहिए, मैं उन्हें ओटीटी पर नहीं देखना चाहूंगा। मैं जब ईद पर या बड़ी हॉलीडेज पर उन्हें बड़े पर्दे पर देखता हूं तब अलग खुशी होती है। वहीं, जब उनसे पूछा गया कि वह किसे ओटीटी पर देखना चाहेंगे, ऐसे दो स्टार्स के नाम बताइए? इस पर उन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा और अर्जुन कपूर का नाम लिया। बातचीत के दौरान वरुण धवन ने कहा कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होने से बॉक्स ऑफिस का दबाव कम हो जाता है, क्योंकि मेकर्स कुछ रिस्की विकल्प चुन सकते हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी बैंक डकैती जिसमें लूट लिए गए अरबों रुपये

भारतीय फिल्में हों या हॉलीवुड, सिनेमा में बैंक रॉबरी से जुड़ी फिल्में तो काफी बनती हैं। अब तो मनी हाईस्ट जैसी स्पैनिश वेबसीरीज भी लोगों को खूब पसंद आ रही है जिसकी थीम ही बैंक चोरी पर आधारित है। आपको लगता होगा कि जैसे फिल्मों में बैंक की चोरियां दिखाते हैं, वैसा हकीकत में नहीं हो सकता। पर ये सच नहीं है! दुनिया में कई ऐसी भी चोरियां हुई हैं जिन्हें शातिर अपराधियों ने इतनी सफाई से अंजाम दिया है कि वो दुनिया की सबसे बड़ी बैंक चोरियां बन गईं। आज हम आपको ऐसी ही कुछ चोरियों के बारे में बताएंगे। थ्रिलिस्ट, बिजनेस इंसाइडर और अन्य कई प्रमुख वेबसाइट्स के आधार पर इस रिपोर्ट को बनाया गया है। ब्राजील के फॉर्टलेजा में साल 2005 में एक ऐसी चोरी हुई जिसके बारे में सिर्फ आप सोच ही सकते हैं और जो शायद फिल्मों में ही दिखाई दे। चोरों ने बैंको सेंट्रल बैंक की एक ब्रांच के पास किराये पर एक कमर्शियल प्रॉपर्टी ली और फिर उसमें काम शुरू कर दिया। असल में वो 256 फीट की टनल खोद रहे थे जो सीधे बैंक के वॉल्ट में निकलनी थी। टनल को सफलता से खोदने के बाद अगस्त के महीने में उन्होंने डकैती डाली और करीब 3. 5 टन ब्राजीलियन नोट ले उड़े जिसमें से अधिकतर पैसे कभी नहीं मिल पाए। इस चोरी में 70 मिलियन डॉलर यानी 500 करोड़ रुपये से भी ज्यादा लूटे गए थे। साल 2003 इराक का बगदाद यहां मौजूद था सेंट्रल बैंक ऑफ इराक जिसमें चोरी हुई। जानकार इस चोरी को दुनिया में अब तक की सबसे बड़ी बैंक चोरी बताते हैं। दावा किया जाता है कि इस चोरी में लूटे गए कुल 920 मिलियन डॉलर्स यानी करीब 7 हजार करोड़ रुपये! रिपोर्ट्स के अनुसार कथित तौर पर सद्दाम हुसैन ने इस चोरी के लिए निर्देश दिए थे। माना जाता है कि सद्दाम के बेटे ने अंजान शख्स के साथ मिलकर इन रुपयों को दूसरी जगह पहुंचाया था। ये तो नहीं पता चला कि गायब हुए पैसों में से कितने मिल पाए मगर हुसैन के घर में एक बार जब रेड हुई थी तब वहां से 650 मिलियन डॉलर बरामद किए गए थे। साल 1987 में इटली के कुख्यात अपराधी वैलेरियो ने लंदन में एक बैंक में चोरी की और करीब 800 करोड़ रुपये लूट लिए थे। चोरी करने का तरीका बेहद आसान था और वैलेरियो के गिरफ्तारी का हास्यास्पद। हुआ यूं कि वैलेरियो अपने एक साथी के साथ बैंक में खाता खुलवाने के बहाने पहुंचा और मैनेजर को बंदी बना लिया। इसके बाद उसने अपने बाकी साथियों को अंदर बुलाया और वे सभी बैंक से 800 करोड़ रुपये, गहने, नोट और अन्य कीमती चीजों के रूप में वहां से ले जाने में कामयाब हुए। फिर वैलेरियो साउथ अमेरिका भाग गया और कुछ वक्त तक आजादी से जिंदगी गुजारता रहा। उस बीच ब्रिटिश सुरक्षा विभाग के लोग उसे बारे में छानबीन कर रहे थे। उसी दौरान वैलेरियो इंग्लैंड लौटा सिर्फ अपनी फरारी कार को वहां से साउथ अमेरिका के लिए शिप करवाने। उसी समय उसे हिरासत में ले लिया गया। इस चोरी से इंस्पायर होकर कई फिल्मों में सीन लिखे गए हैं। साल 1963 में इंग्लैंड के बकिंघमशायर में इसे अंजाम दिया गया।

अजब-गजब | माता की यह मूर्ति बदलती है रूप

सुबह कन्या तो शाम को बूढ़ी औरत में बदल जाती है देवी मां, भक्त देखते हैं चमत्कार!

अभी शारदीय नवरात्रे चल रहे हैं। माता के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। नवरात्रि के 9 दिन लोग माता की भक्ति करते हैं और पूजा पाठ करते हैं। भारत में देवी मां के हजारों प्रसिद्ध मंदिर हैं लेकिन कुछ ऐसे मंदिर भी हैं जो रहस्यों से भरे हैं। इन मंदिरों में भक्तों को माता के साक्षात चमत्कार देखने को मिलते हैं। माता रानी का एक ऐसा ही चमत्कारीक मंदिर उत्तराखंड के श्रीनगर में भी है। यह मंदिर मां धारी का है। मां धारी को पहाड़ों और तीर्थयात्रियों की रक्षक देवी माना जाता है। माता के इस अद्भुत मंदिर में भक्तों को रोजना चमत्कार देखने को मिलते हैं।

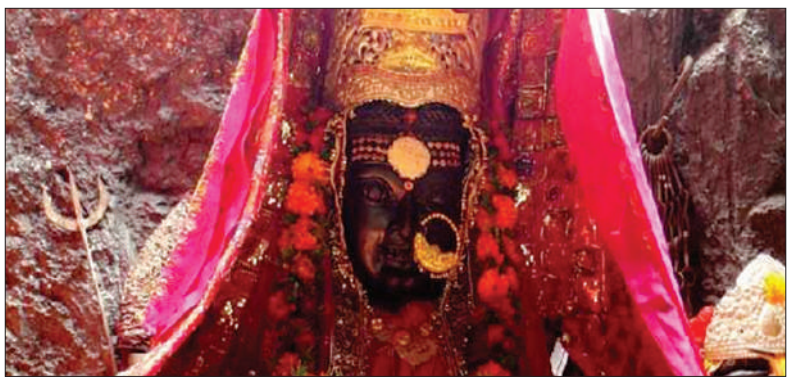

मां धारी का यह चमत्कारी मंदिर उत्तराखंड के श्रीनगर से 14 किलोमीटर की दूर स्थित है। रिपोर्ट्स के अनुसार यहां हर दिन चमत्कार देखने को मिलता है। यहां मां धारी की मूर्ति दिन में तीन बार अपना रूप बदलती है। यहां सुबह के समय मां की मूर्ति एक कन्या की तरह दिखती है तो दोपहर को युवती में बदल जाती है। वहीं शाम होते ही माता की यह मूर्ति एक बूढ़ी महिला के रूप में बदल जाती है। भक्त भी मां के इस चमत्कार को देखकर हैरान रह जाते हैं। यह नजारा वाकई हैरान कर देने वाला होता है। मां धारी के इस चमत्कारी मंदिर के बारे में स्थानीय लोगों के बीच एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक बार बाढ़ में माता का मंदिर बह गया था। मंदिर के साथ माता की मूर्ति भी बहकर आगे धारो गांव के पास एक चट्टान के पास रुक गई। कहते हैं कि उस मूर्ति से एक ईश्वरीय आवाज निकली, जिसने गांव वालों को उसी जगह पर मूर्ति स्थापित करने का निर्देश दिया। इसके बाद गांव वालों ने मां का आदेश मानकर वहां माता का मंदिर बना दिया। वहीं एक और कथा मां धारी के बारे में प्रचलित है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 2013 में माता के इस मंदिर को तोड़ दिया गया था और मां की मूर्ति को मूल स्थान से हटा दिया गया था। लोगों का कहना है कि इसी वजह से उस साल उत्तराखंड में भयानक बाढ़ आ गई थी। उस बाढ़ में हजारों लोग मारे गए थे। कहा जाता है कि धारा देवी की प्रतिमा को 16 जून, 2013 की शाम को हटाया गया था और उसके कुछ ही घंटों बाद राज्य में आपदा आई थी। इसके बाद में उसी जगह पर फिर से मंदिर का निर्माण कराया गया।

बिना गिरवी ऋण के उद्यमियों को गारंटी देगी सरकार

» राकेश सचान बोले- यह नीति सितंबर 2027 तक प्रभावी रहेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग में निवेश करने वाले उद्यमियों को दो करोड़ रुपये तक के कोलेटरल फ्री ऋण (यानी बिना गिरवी के ऋण) पर बैंकों की ओर से लिए जाने वाली वन टाइम गारंटी फीस सरकार वहन करेगी। एमएसएमई ने एमएसएमई नीति-2022 को लागू करने संबंधी शासनादेश जारी कर दिया। यह नीति सितंबर 2027 तक प्रभावी रहेगी।

एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि नए सूक्ष्म उद्योग के लिए ऋण पर देय वार्षिक ब्याज का 50 प्रतिशत (अधिकतम 25 लाख रुपये) प्रति इकाई पांच वर्षों के लिए दिया जाएगा। वहीं उद्यमियों को पूंजीगत निवेश पर 10 से 25 फीसदी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों को ऋण के ब्याज पर 60 फीसदी तक सब्सिडी दी जाएगी। सूक्ष्म इकाइयों के पात्र निवेश के लिए आवेदन अवधि दो वर्ष होगी। इस तरह लघु उद्योग के लिए तीन और मध्यम उद्योग के लिए चार वर्ष होगी। मंत्री ने बताया कि प्रदेश की एमएसएमई इकाइयों को अधिक से अधिक स्रोतों से क्रेडिट उपलब्ध कराने के लिए स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग पर खर्च के 20 प्रतिशत की प्रतिपूर्ति की जाएगी। वहीं तंबाकू उत्पादन, गुटखा, पान मसाला, अल्कोहल, वातयुक्त पेय पदार्थ, कार्बोनेटेड उत्पाद, पटाखों का विनिर्माण, प्लास्टिक कैरीबैग (40 माइक्रॉन से कम), राज्य सरकार की ओर से समय-समय पर प्रतिबंधित श्रेणी में वर्गीकृत मोटाई के प्लास्टिक बैग और समय-समय पर प्रतिबंधित श्रेणी सूची में श्रेणीकृत उत्पादों के निवेश प्रस्तावों पर यह नीति लागू नहीं होगी।

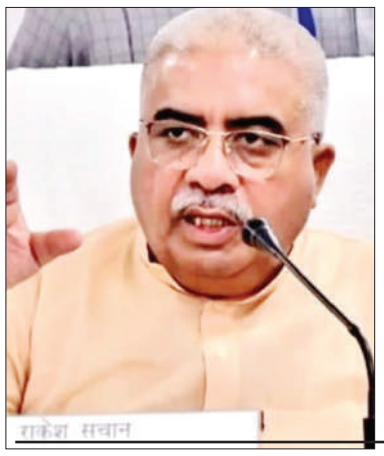

पूंजी निवेश पर बतौर सब्सिडी सहायता देगी सरकार

बुंदेलखंड व पूर्वांचल क्षेत्रों में क्रमशः 25, 20 और 15 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। मध्यांचल एवं पश्चिमांचल में क्रमशः 20, 15 और 10 प्रतिशत होगी। अनुसूचित जाति, जनजाति व महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत अतिरिक्त निवेश प्रोत्साहन सहायता प्रदान की जाएगी। निवेश प्रोत्साहन की अधिकतम सीमा 4 करोड़ रुपये प्रति इकाई होगी। पांच करोड़ रुपये और इससे अधिक की मशीनरी एवं संयंत्र वाली सभी नई खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को कच्चे माल की खरीद पर पांच वर्ष के लिए मंडी शुल्क से छूट की व्यवस्था मंडी अधिनियम के अनुसार प्रदान की जाएगी। विभाग के औद्योगिक आस्थानों में भूखंडों और शेडों के आवंटन की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जाएगा।

डीजी रैंक के अफसर आशीष गुप्ता की केंद्र से वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कम हुआ यूपी का प्रतिनिधित्व, जल्द ज्वाइन करेंगे

लखनऊ। डीजी रैंक के अधिकारी 1989 बैच के आईपीएस आशीष गुप्ता केंद्र से कार्यमुक्त हो गए हैं। वह जल्द ही प्रदेश में जॉइन करेंगे। आशीष गुप्ता केंद्र में मौजूदा समय में बीएसएफ में स्पेशल डीजी के पद पर तैनात थे। वह सितंबर 2014 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गए थे। केंद्र में वह लंबे समय तक नेशनल इंटेलीजेंस ग्रिड के पद पर तैनात थे।

बीते जून महीने में उन्हें नेशनल इंटेलीजेंस ग्रिड से हटाकर बीएसएफ में तैनाती दी गई थी। अब प्रतिनियुक्ति की आठ साल की अवधि पूरी होने के बाद वह यूपी वापस आ रहे हैं। केंद्र सरकार ने उन्हें कार्यमुक्त कर दिया है। आशीष गुप्ता की केंद्र से वापसी के बाद केंद्र में यूपी के आईपीएस अफसरों का प्रतिनिधित्व और कम हो गया है। अब केवल 35 अफसर ही केंद्र में यूपी के रह गए हैं। जबकि केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए यूपी का कोटा 117 अधिकारियों का है। इस वर्ष अब तक आधा दर्जन अधिकारी केंद्र से यूपी वापस आ चुके हैं। इसमें एडीजी प्रकाश डी, अनुपम कुलश्रेष्ठ, आईजी अपर्णा कुमार, अजय मिश्रा और डीआईजी रैंक के अधिकारी अब्दुल हमीद की प्रतिनियुक्ति से वापसी इसी वर्ष हुई है। साल के अंत तक एडीजी अशोक मुथा जैन, आनंद स्वरूप और रघुवीर लाल के वापस आने की संभावना है। जबकि यूपी से इस वर्ष केवल एक अधिकारी 2011 बैच के आईपीएस मोहम्मद इमरान को ही केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए कार्यमुक्त किया गया है।

वक्ताओं ने गांधीजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आशियाना में आजादी का अमृत महोत्सव, मिशन शक्ति व एक भारत श्रेष्ठ भारत के संयुक्त तत्वावधान में 'अ रिफलेक्शन गांधी एंड द इंडियन नेशनल मूवमेंट विषय' पर एक व्याख्यान का आयोजन हुआ।

इसमें वक्ताओं ने गांधीजी के अवदानों पर प्रकाश डाला तथा बताया कि गांधीजी जैसा व्यक्तित्व ही था, जिसने स्वतंत्रता संग्राम को एक नया आयाम, नई दिशा और सशक्त माध्यम प्रदान किया। उनके दृढ़ इरादों और नीतियों के कारण ही स्वतंत्रता प्राप्ति संभव हो सकी। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुमन गुप्ता के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर की गई। इस मौके पर छात्र छात्राओं द्वारा स्वतंत्रता संग्राम विषयक यथा काकोरी ट्रेन एक्शन इत्यादि विषयक लघु नाटक प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर डॉ. सनोबर हैदर असिस्टेंट प्रोफेसर इतिहास एवं डॉक्टर श्वेता मिश्र असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव विषय पर संपादित पुस्तक का विमोचन किया गया। संपादित पुस्तक का विषय प्रवर्तन डॉक्टर सनोबर हैदर के द्वारा किया गया। डॉक्टर सरिता सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी ने सभी का आभार जताया।

सूरत में एंबुलेंस से पकड़े गए 25 करोड़ के नकली नोट, हड़कंप

» इन नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के बजाय भारतीय रिवर्स बैंक ऑफ इंडिया लिखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात की सूरत पुलिस ने दो-दो हजार रुपए के नकली नोटों से भरे बक्सों को एक एंबुलेंस से बरामद किए है। अमूमन एंबुलेंस का इस्तेमाल बीमार या जरूरतमंद लोगों को अस्पताल तक ले जाने के लिए होता है, लेकिन सूरत में नकली नोटों को इधर से उधर पहुंचाने के लिए एंबुलेंस का इस्तेमाल हो रहा था। बक्सों से 25 करोड़ रुपये के नोट बरामद किए गए हैं। इन नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के बजाय भारतीय रिवर्स बैंक ऑफ इंडिया और केवल सिनेमा शूटिंग के लिए लिखा गया है।

पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है। दरअसल, गुरुवार के दिन प्रधानमंत्री मोदी ने सूरत शहर के लिंबायत इलाक़े में एक रोड शो कर जनसभा को संबोधित किया और शाम को सूरत जिला के कामरेज इलाके से खबर आई कि पुलिस ने बड़ी तादात में नकली नोटों का जखीरा पकड़ा है। दो-दो हजार के नकली नोटों के पकड़े जाने की खबर फैलते ही हर कोई ये जानने के प्रयास में था कि आखिर ये पूरा माजरा क्या है? सूरत रूरल पुलिस के कामरेज थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि अहमदाबाद से मुंबई की ओर जाने वाली एक एंबुलेंस में नकली नोटों का बड़ा जखीरा जा रहा है। कामरेज थाना पुलिस ने सूचना मिलते ही हाईवे पर एंबुलेंस को पकड़ने के लिए जाल बिछा दिया था। इस दौरान एंबुलेंस पकड़ी गई।

पीएफआई की गतिविधियों पर नजर रखना जरूरी

» देश विरोधी गतिविधियों की लिस्ट बहुत लंबी

» 4 पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को एक गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया है। सरकार ने पीएफआई पर अगले पांच सालों की अवधि के लिए बैन लगाया है। केंद्र की ओर से लगाए गए इस प्रतिबंध में संस्था के सभी सहयोगियों और तमाम मोर्चों को गैरकानूनी घोषित किया गया है। क्या पीएफआई पर प्रतिबंध 2024 के चुनावों का पहला दांव है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह, दिनेश के वोहरा, सैयद कासिम और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सैयद कासिम ने कहा कि 2024 करीब है तो मुद्दा क्या है। खबरों को दबाने के लिए पीएफआई है उससे जुड़े हुए संगठन है। पीएफआई को दो संगठनों से जुड़ा हुआ बताया गया है एक का नाम अलकायदा और दूसरा आईएसआईएस। ऐसे संगठनों से जुड़े संगठन को बैन लगाने सरकार को इतना साल इंतजार करना पड़ता है तो सरकार की देश के प्रति सोच, ईमानदारी और निष्ठा और आतंकवाद के प्रति उनकी कार्रवाई और उनके भाषणों पर शर्म आती है।

दिनेश के वोहरा ने कहा कि देश विरोधी गतिविधियों की लिस्ट बहुत लंबी है। पीएफआई का बैन होना अगर सही है। सब कुछ है तो इस कार्रवाई का समर्थन करते है। कोई भी संगठन देश विरोधी गतिविधिओं में लिप्त है उनका बैन होना जरूरी है। उनकी गतिविधियों पर नजर रखना जरूरी है।

वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह ने कहा कि पीएफआई को बैन करने से पहले सरकार ने राज्यों से रिपोर्ट मंगवाई थी। उसमें तीन रिपोर्ट का जिक्र है। पीएफआई की गतिविधियों पर सरकार की नजर काफी थी। आपने पीएफआई को तो बैन कर दिया लेकिन इंडिया सोशल फोरम को छोड़ दिया जो कि पैसे पूरे वर्ल्ड में ये पीएफआई के लिए पैसे लेता है।

उसको आप बैन नहीं कर सकते। छोटे-छोटे इनके बहुत सारे संगठन है जिन पर आपकी नजर नहीं गई। अब वो पैसा वहां आएगा और आप कुछ नहीं कर पाएंगे। ये जो बैन आप देख रहे है उसकी तैयारी 2024 की नहीं है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

पीलीभीत में पूड़ियां बेलते नजर आईं मेनका गांधी

» वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, जनता ने की बीजेपी सांसद की तारीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुलतानपुर सांसद मेनका गांधी का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में मेनका गांधी महिलाओं के साथ बैठकर पूड़ियां बेलती दिख रहीं हैं। 50 सेकंड के इस वीडियो को पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने ट्वीट किया है। इसको शेयर करते हुए वरुण गांधी नवरात्रि में मां को लेकर बेहद इमोशनल दिखे।

वरुण गांधी ने भी अपनी मां का वीडियो किया ट्वीट

उन्होंने ट्वीट में लिखा कि सृजन, पालन और संहार तीनों गुणों को अपने भीतर समेटने वाली देश की हर मां, मां दुर्गा का स्वरूप है। मां करुणा भी है और साहस भी, मां दया भी है और संघर्ष भी। सही मायने में मां एक संपूर्ण योद्धा है और शारदीय नवरात्रि का यह पावन पर्व मातृत्व का सबसे बड़ा उत्सव है। मां ही संसार है। दरअसल, मेनका गांधी पीलीभीत के एक प्रोग्राम में पहुंची थीं। यहां महिलाएं पूड़ियां बेल रहीं थीं। तब मेनका ने भी चौकी-बेलन पर पूड़ी बनाईं। वीडियो में किसी ने कमेंट भी किया कि पूड़ी गोल नहीं बनी है। हालांकि बाद में लोगों ने उनके प्रयास पर तालियां भी बजाईं। वीडियो में दिख रहा है कि महिला अपने बीच मेनका को पूड़ियां बेलते देखकर खुश थीं।

सड़कों पर न सफाई न रोशनी क्या कर रहे हैं जीडीए अफसर

» गाजियाबाद के नीति खंड 3 इंदिरापुरम का बुरा हाल

» शाम ढलते ही हो जाता है चोर व लुटेरों का आतंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के यूपी को नंबर वन बनाने के दावों को ठेंगा दिखाते हुए देश की राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के विकास प्राधिकरण (जीडीए) का स्ट्रीट लाइट विभाग और सफाई विभाग लगभग सभी पॉश कॉलोनी निवासियों का जीवन नरक बनाने पर आमादा है। आधुनिक शहरी विकास में सिविक एमेनिटीज (लोक सुविधाओं) की दो प्रमुख बातें हैं। रात में चैन से सोने का भरोसा और साफ-सफाई की व्यवस्था।

इंदिरापुरम और दर्जनों ऐसे क्षेत्र इन दोनों सुविधाओं से वंचित हैं लेकिन इसका कारण संसाधनविहीनता नहीं है बल्कि गैर-जिम्मेदार और भ्रष्ट अफसरों की अकर्मण्यता है। इन्दिरापुरम के नीति खंड -3 के मुख्य मार्ग पर अक्सर झपटमारी और चोरी की घटनाएं हो रही है। क्योंकि मुख्य मार्गों पर चौतरफा शाम ढलते ही अंधेरा पसर जाता है। स्ट्रीट लाइट विभाग के नीचे से लेकर एई तक के अधिकारी स्ट्रीट लाइट्स की समस्या लगातार बताये जाने पर भी समाधान में दिलचस्पी नहीं दिखाते। मार्ग प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त किए जाने की मांग को लेकर कई बार अफसरों से गुहार लगाई गई। दर्जनों शिकायत करने के बावजूद भी कोई भी हल नहीं निकला, जिसका खामियाजा इंदिरापुरम समेत दर्जनों कॉलोनीवासी भुगत रहे हैं। यही हाल सफाई व्यवस्था का भी है। सड़कों पर गंदगी और अतिक्रमण का आलम है। अफसर एसी कमरों से बाहर नहीं निकलना चाहते हैं और नीचे के कर्मचारी काम करना नहीं चाहते। भगवान भरोसे सारी व्यवस्थाएं चल रही है। कॉलोनी के निवासियों में जबरदस्त रोष है और उन्होंने अफसरों को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर मार्ग प्रकाश व्यवस्था व साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं होती है तो वह लोग धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अफसरों की होगी। कॉलोनीवासियों ने मुख्यमंत्री से भी मांग की है कि आम जन जीवन से जुड़ी सुविधाओं में लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर कड़ी कार्रवाई करें। क्योंकि एक तरफ जहां इनकी वजह से आम लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वही शासन की छवि भी धूमिल होती है।

घूसखोरी में गिरफ्तार हो चुके स्वास्थ शिक्षा अधिकारी को दोबारा कार्यभार

» सवालों के घेरे में सीएमओ प्रयागराज, पुनः क्लीनिक पंजीकरण का कार्य देना बना चर्चा का विषय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फाइल फोटो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लाख कोशिश कर रहे हैं कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जाए, लेकिन भ्रष्टाचारियों की पहुंच के आगे सभी दावे कागजों में ही सिमट कर रह जाते हैं। ताजा मामला संगम नगरी प्रयागराज का है। जहां सीएमओ कार्यालय में तैनात स्वास्थ शिक्षा अधिकारी को 35 हजार रुपए रंगे हाथों लेते हुए विजिलेंस की टीम ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जिसके बाद स्वास्थ्य अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया था। कुछ समय बाद आरोपी स्वास्थ शिक्षा अधिकारी जमानत पर जेल से बाहर आ गया और सेटिंग कर बहाल हो गया। यही नहीं, घूसखोर को प्रयागराज जिले में ही तैनाती मिल गई और तो और उसी पद पर ही नियुक्ति तक मिल गई। इसके बाद से विभाग में कानाफूसी है कि घूसखोर पर इतनी मेहरबानी किसकी है, जो अब फिर से अपने पद का दुरप्रयोग कर रहा है।

पूरा मामला 15 दिसंबर 2019 का है, प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज निवासी राजकुमार गुप्ता ने पॉली क्लीनिक के पंजीकरण के लिए पिछले दिनों सीएमओ कार्यालय में आवेदन किया। सीएमओ की ओर से पंजीकरण कार्य के लिए स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी पंकज कुमार पाण्डेय को नामित किया गया था, ऐसे में भुक्तभोगी ने उससे संपर्क किया। पंजीकरण के लिए उससे 70 हजार रुपए की रिश्वत मांग की, जिसके बाद भुक्तभोगी की ओर से इसकी लिखित शिकायत एसपी विजिलेंस से की गई। जांच के बाद आरोपी अफसर को रंगेहाथ पकड़ने के लिए ट्रैप टीम का गठन किया गया। जिस पर 15 दिसंबर 2019 को विजलेंस प्रभारी सुनील कुमार समेत 12 सदस्यीय टीम ने पंकज कुमार पाण्डेय को सीएमओ आवास के बाहर 35 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सूचना देकर जार्ज टाउन पुलिस को बुलाया गया और फिर आरोपी अफसर को उसे सौंप दिया गया। जार्जटाउन पुलिस ने विजलेंस इंस्पेक्टर की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया, जिसकी विवेचना विजलेंस द्वारा लगभग तीन साल बीत जाने के बाद भी अभी तक प्रचलित हैं।

फोटो :4पीएम

अलर्ट पीएफआई के बैन होने के बाद देशभर में अलर्ट के चलते जुमे की नमाज के दौरान लखनऊ की टीले वाली मस्जिद पर तैनात लखनऊ पुलिस और आरएएफ के जवान।

मायावती के पीएफआई पर बैन को लेकर किए ट्वीट के कई निहितार्थ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार के पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआई) पर बैन लगाने के मामले में मायावती ने हमला बोला है। मायावती ने इसे सरकार का राजनीतिक स्वार्थ बताया है।

इतना ही नहीं, मायावती ने यह भी कहा कि चुनावों से पहले सरकार का ये कदम बेचैनी पैदा करता है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर कहा कि केंद्र द्वारा पीएफआई पर देश भर में कई प्रकार से टारगेट करके अन्तत: अब विधानसभा चुनावों से पहले उसे उसके आठ सहयोगी संगठनों के साथ प्रतिबंध लगा दिया है, उसे राजनीतिक स्वार्थ व संघ तुष्टीकरण की नीति मानकर यहां लोगों में संतोष कम व बेचैनी ज्यादा है। बसपा प्रमुख ने कहा कि यही कारण है कि विपक्षी पार्टियां सरकार की नीयत में खोट मानकर इस मुद्दे पर भी आक्रोशित व हमलावर हैं और आरएसएस पर भी बैन लगाने की मांग खुलेआम हो रही है कि अगर पीएफआई देश की आन्तरिक सुरक्षा के लिए खतरा है तो उस जैसी अन्य संगठनों पर भी बैन क्यों नहीं लगना चाहिए?

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।